वर्ष	रूपये करोड़ में
1992-93	419.14
1993-94	441.33
1994-95	462.41
1995-96	511.10
1996-97	667.93
	2501.91

(ख)विदेशी तथा निजी प्रसारण माध्यमों द्वारा अर्जित कुल राजस्व सं संबंधित आंकड़ें चूंकि सरकार के पास उपलब्ध नहीं हें इसलिए दूरदर्शन तथा आकाशवाणी की आय सन्दर्भ में कोई तुलना नही की जा सकती है।

(ग)प्रश्न नहीं उठता।

(घ)चूंकि आठवीं योजना में प्रसार भारती की आय में वर्ष-दर-वर्ष लगातार वृद्धि हुई हैं इसलिए कोई मूल्यांकन नहीं किया गया।

विज्ञापन के क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश

1505.**श्री कपिल सिब्बल** :

श्री राज मोहिन्दर सिंह :

क्या सूचना और प्रसार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या यह सच है कि सरकार की नीति के अनुसासर विज्ञापन के क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों को अक्तूबर, 1998 में शत् प्रतिशत विदेशी पूंजी निवेश की स्वीकृति दी गई थी:

(ख)यदि हां, तो इसके क्या कारण है और क्या यह भी सच है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में इस नीति मे परिवर्तन करने पर विचार किया जा रहा हैं; और

(ग)यदि हां, तो विचाराधीन संभावित परिवर्तनो का ब्यौरा क्या हैं और पूव नीति में परिवर्तन किए जाने के क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार नकवी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

देश में प्रसारण क्षमता का सृजन और उपयोग

1506. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला**: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री ययह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या देश मे विभिन्न राज्यों में प्रसारण क्षमता के सृजन और उपयोग मे अत्याधिक अन्तर हैं;

(ख)यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं;

(ग)क्या सरकार ने इस अन्तर को समाप्त करने हेतु कोई वृहद योजना तैयार की है और इसके लिए कोई मूल्यांकन भी किया है;

(घ)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; और

(ड.)यदि नहीं, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार नकवी) : (क) और (ख) विभिन्न राज्यों में रेडियो कवरेज की उपलब्धता के संबंध में कोई ज्यादा अन्तर नहीं है तथापि, स्थलीय टेलीविजन कवरेज के मामले में यह अन्तर विद्यमान हैं। राज्य-वार, रेडियो तथा टेलीविजन कवरेज (क्षेत्र एवं जनसंख्यावार) दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न हैं। (**नीचे देखिए**)

(ग)से (ड.) प्रसार भारती ने सूचित किया है कि आकाशवाणी तथा दूरदर्शन द्वारा यथासंभव अधिकतम दर्शकों को रेडियो/टेलीविजन कवरेज प्रदान करने का सत्त रूप से प्रयास किया जाता हैं। आकाशवाणी/दूरदर्शन सेवाओं का समस्त देश में चरणबद्ध रूप से विस्तार किया जा रहा हैं। रेडियो/टेलीविजन परियोजनाओं के बारे में अंतिम निर्णय करते समय सम्बन्धित क्षेत्र में विद्यमान रेडिये/टेलीविजन कवरेज एवं लोगों की मांग, आधारभूत सुविधाओं कर उपलब्धता, सीमावर्त्ती, पहाड़ी एवं जनजातीय क्षेत्रों में कवरेज को सुदृढ़ करने तथा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता आदि जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाता हैं। देश में रेडियो/टेलीविजिन कवरेज के और विस्तार के लिए वर्तमान में भिन्न-भिन्न क्षमता के 98 रेडियो ट्रांसमीटर तथा 278 टेलीविजिन ट्रांसमीटर कार्यान्वयन के दौरान कुछ और स्कीमों कोद शुरू करने का विचार हैं।